

20.05  
24

पत्रावली पेक्षा छुई। आदि. वाणी एवं वाणी स्वयं  
उस्थित नहीं। आदि. वाणी एवं वाणी स्वयं को  
बार - 2 आवाज लगाकर धरती को उस्थित  
नहीं। इसलिए इन्हें पत्रावली अफम हाजरी  
एवं अफम पंखी में शक्ति की जाती है,  
पत्रावली फौसल शुमार नम्बर से काम की  
जाकर कारिवाल काल हो

